20 दिसंबर, 2021

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के भाग के रूप में हल्दूखाता, उत्तराखंड में जीआईएस सबस्टेशन का उद्घाटन

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन आईपीडीएस योजना के अंतर्गत निष्पादित परियोजना के लिए नोडल एजेंसी है -

हल्दूखाता, उत्तराखंड, 20 दिसंबर 2021: कोटद्वार के लोगों के लिए विद्युत की आपूर्ति में सुधार की दिशा में एक और पहल में, 33/11 केवी जीआईएस सबस्टेशन का उद्घाटन आज हल्दूखाता, कोटद्वार में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के भाग के रूप में किया गया।

इस अवसर पर आधुनिकीकृत 33/11 केवी जीआईएस सबस्टेशन के साथ, 20 एमवीए गैस इंसुलेटेड पावर स्टेशन भी कोटद्वार के लोगों को समर्पित किया गया।

जीआईएस सब-स्टेशन का उद्घाटन माननीय डॉ. हरक सिंह रावत, ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, उत्तराखंड सरकार द्वारा श्री अनिल कुमार, प्रबंध निदेशक, उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यू.पी.सी.एल) की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर श्री अजय कुमार अग्रवाल, निदेशक (परियोजना), श्री आशीष अरोड़ा, मुख्य अभियंता (जिला), श्री एम.एल. टम्टा, अधीक्षक अभियंता (आईपीडीएस), श्री एस.एस. कंवर, अधीक्षक अभियंता (वितरण), श्री रघुराज सिंह, कार्यपालक अभियंता (वितरण), श्री के.के. पंत, कार्यपालक अभियंता, (आईपीडीएस) और श्री संजीव कुमार, कार्यपालक अभियंता, (जिला) भी उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित थे।

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन, एक महारत्न सीपीएसई और भारत की अग्रणी विद्युत क्षेत्र केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है तथा आईपीडीएस योजना के अंतर्गत निष्पादित परियोजना के लिए नोडल एजेंसी है और यूपी राजकीय निगम लिमिटेड (यूपीआरएनएल) परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी है।

इस सब-स्टेशन के उद्घाटन से 6,500 से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ होगा, जिससे कोटद्वार और आसपास के क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। जीआईएस सब-स्टेशन अगले पांच से दस वर्षों तक क्षेत्र की विद्युत की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जीआईएस सब-स्टेशन लगने से मोटाधक, मावाकोट, दुर्गापुरी, पदमपुर, घमदपुर, कलालघाटी और हल्दूखाता जैसे क्षेत्रों को काफी फायदा होगा।

हाल के दिनों में, आजादी का अमृत महोत्सव के भाग के रूप में पीएफसी ने देश के शहरों में विभिन्न सबस्टेशनों और आरटी-डीएएस सिस्टम को कमीशन और उद्घाटन किया है, जिससे विभिन्न राज्यों के दूरदराज के क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

जिन स्थानों पर परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं उनमें देहरादून (उत्तराखंड), सोलन (हि.प्र.), भागलपुर (बिहार), धर्मनगर (त्रिपुरा), बांदीपोरा (जम्मू-कश्मीर), पूर्णिया (बिहार) शामिल हैं। इसके अलावा, पीएफसी को हाल ही में भारत सरकार द्वारा कंपनी को अधिक प्रचालन और वित्तीय स्वायत्तता देते हुए महारत्न का दर्जा दिया गया था।

आज़ादी का अमृत महोत्सव प्रगतिशील भारत के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने और स्मरण करने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। यह महोत्सव भारत के लोगों को समर्पित है, जिन्होंने न केवल भारत को अपनी विकासवादी यात्रा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि उनके भीतर प्रधानमंत्री मोदी के भारत 2.0 को सक्रिय करने के दृष्टिकोण को सक्षम करने की शक्ति और क्षमता भी है, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना से प्रेरित है।